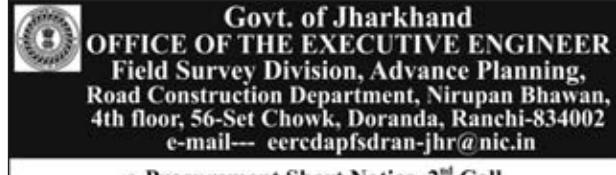


नीमटीह स्टेशन से रेल टेका की समाप्ति, सेवा बहाल
रंगी। सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन की पहल के बाद नीमटीह रेस्टेशन पर कुड़मी समाज की ओर से जारी आंदोलन (रेल टेका) गुरुवार को समाप्त कर दिया गया। इसके बाद इस रुट से गुजरने वाली ट्रेन सेवाएं नियमित होने की उमीद है। सरायकेला प्रशासन की ओर से आदिवासी कुड़मी समाज और अन्य कुड़मी नेताओं के साथ हुई वार्ता में तय हुआ कि कुड़मीयों को आदिवासी का दाज दिए जाने के मसले पर झारखण्ड के मुख्य सचिव के साथ वार्ता होगी।



e-Procurement Short Notice, 2nd Call

e-Tender Reference No.—RCD/FSD/AP/RAN/57/23-24 Dated 20.09.2023

1-	Name of Work	Consultancy services for preparation of Detailed project report for 2-Lane configuration road from Old N.H.-32 at Govindpur to Talmachho bridge road including replacement of culverts and bridges, proposal for new culverts and bridges, proposals for ROBs and elevated corridor , complete Land Acquisition Proposal including ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal and Forest Diversion Proposal with clearance of all stages as required, in the state of Jharkhand, from Consultant's empanelled in Category-I with the Road Construction Department, Government of Jharkhand vide letter no -3063(S) W.E dated 22-08-2022 are allowed to bid.
2-	Tentative Length of Work	6.00 Km,
3-	Work completion time	30 Days
4-	Date and Time of Publishing of Tender on official website	22.09.2023, 05.00 PM
5-	Last date and Time of submission of Tender (With Tender Fee and EMD)	05.10.2023, 12.30 PM
6-	Date and Timing of Bid opening	06.10.2023, 12.30 PM
7-	Tender Inviting Authority	Executive Engineer, Field Survey Division, Advance Planning, RCD, Ranchi, Nirupan Bhawan, 56 set Chowk, Doranda, Ranchi-834002, Mobile No-9431591027
8-	Bid Submission Address	Chief Engineer (Communication), Road Construction Department, 1st Floor, Engineer Hostel No-2, Dhurwa, Ranchi-834004
9-	Mode of Bid Submission	e-Tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
10-	Pr No	305564 Road (23-24)

For further information please go through the website <http://jharkhandtenders.gov.in>

Executive Engineer

Field Survey Division,A.P

PR 307367 Road(23-24) #D Road Construction Department,Ranchi.

सिविल जज, जूनियर डिवीजन की परीक्षा के फॉर्म भरने के लिए हाइकोर्ट से मिली 7 दिनों की छूट

रंगी। सिविल जज, जूनियर डिवीजन के एजाम में नियमित 35 वर्ष की उम्र पार कर जाने की वजह से परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले लाल ज्ञानरंजन नाथ शाहदेव एवं अन्य जजों को गुरुवार को झारखण्ड हाइकोर्ट से अंतिम राहत मिली है। कोर्ट ने सिविल जज, जूनियर डिवीजन के एजाम में प्रार्थीयों को ऑफिलाइन फॉर्म भरने के लिए अंतिम तक ऑफिलाइन फॉर्म जमा करने की अनियमिति है। कोर्ट ने कहा है कि अब एजाम में नियमित उच्च उम्र सीमा में छूट देते हुए एजाम देने की अनुमति दी जाए। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता नियमित एजाम लिया जाएगा और उकेर रिजिस्टर भी आगामी। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खेंडपीठ ने की। खेंडपीठ ने वह भी कहा कि प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा। दरअसल, प्रार्थी लाल ज्ञान रंजन

विधानसभा की अवधि अंतिम तिथि 21 सितंबर

हाइकोर्ट ने दिया पीएफआइ सदस्यों के खिलाफ दर्ज एफआइआर रद्द करने का आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रंगी। हाइकोर्ट ने प्रतिबिधित संगठन पीएफआइ (पॉपुलर फ्रॅंट ऑफ इंडिया) के कथित सदस्यों के खिलाफ दर्ज एफआइआर को रद्द करने का आदेश दिया है। दरअसल झारखण्ड सरकार ने वर्ष 2018 में पीएफआइ पर बैन लगाया था। जिसके बाद पाकुड़, साहिवर्ग और जामताड़ा जिले में करीब सौ से ज्यादा लोगों के खिलाफ अलग-अलग नामांकन हो गया।

एफआइआर ने वह भी कहा कि प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयों का रिजिल इस केस के अंतिम नियंत्रण से प्रार्थित होगा।

प्रार्थीयो

कनाडा की कूटनीति

प्रधानमंत्री मोदी ने सफां तौर पर कह दिया था कि कनाडा को खालिस्तान से नीसाई जस्टिन टूटो को अच्छी नहीं लगाए। जी-20 के समेलन से वापस लौटने के बाद बौरे भारत के हरजीत सिंह निजर की हत्या का आरोप उठाने वाले भारत पर मढ़ दिया। हालांकि भारत ने इससे साफ तौर से इनकाना किया है। लेकिन वह कनाडा की राजनीतिक चाल है। जस्टिन सरकार कनाडा में रह रहे भारतीय मूल के सिख समुदाय की सहानुभूति लेना चाहती है। जबकि सच यह है कि सरकार अपील तक यह पता ही नहीं लगा पार्टी की निजर की हत्या क्यों और किसने की। इस मामले कनाडा जाँच आवश्यक क्यों नहीं चैडला। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूटो ने इस मामले पर जलदबाजी दिखाते हुए भारतीय राजनीतिक को देख सिंह निकल जाने का फरमान सुना दिया। लिहाजा भारत को भी ऐसा करना था, भारत ने भी कनाडा को देख लेंगे को जो देख लेंगे को आदेश दे दिया। इस घटना के बाद से दोनों देशों के लिए तनावपूर्ण होते जा रहे हैं। भारत आतंकवाद के खिलाफ हमेशा से दुनिया के मंच पर आवाज उठाता रहा है। वह संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और दूसरे वैश्विक मंचों पर अपनी बात बेहद मजबूती से करता रहा है। जबकि आतंकवाद से वह स्वयं पीड़ित है। आतंकवाद की जितनी भी भारत ज्ञेल रहा है यथाद दुनिया का कांई भी देश इस समस्या से ग्रसित हो। आक्रमण और कनाडा हमेशा से अलगावादी संगठन खालिस्तान का समर्थन करता रहा है। हरदौ यह सिंह निजर जंजाज कर रहे वाला था। जून में उसकी हत्या कनाडा में हुई थी। जिस पर काफी प्रदर्शन हुआ था। कनाडा में इस मामले ने इतना तूल पकड़ा की प्रधानमंत्री जस्टिन टूटो की संसद में वान देवन पड़ा। यह कनाडा की अच्छी नीति नहीं है वह कूटनीति है।

बेहाल किसान

क्र. दरत की मार के बाद किसान अब धान की सरकारी बोली का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन यह लगातार बढ़ता जा रहा है। आहारियों, किसानों को उम्मीद थी कि धान की सरकारी बोली 15 सिंतंबर से शुरू होगी, लेकिन अब 25 सिंतंबर तो कभी एक अक्टूबर से होने के कायास लगाए जा रहे हैं। प्रत्येक अद्वितीय के पास प्रतिदिन 150 से 200 किसानों के फेंन बज रहे हैं, जो सरकारी बोली के बारे में पूछते हैं। उधर मट्डियों में फैली अव्यवस्था और खरीद एजेंसियों की नाकामी तैयारियां कुछ और इशारा कर रही हैं। इन हालातों में किसान, आहारी परेशान है, वहीं प्राइवेट खरीदारों के चेहरे खिले हुए हैं। किसानों को प्रति एकड़ 12 हजार से अधिक का नुकसान लगाता है, उसका जितनी खरीदारों की जेब में जा रहा है। किसानों का तक उन्होंने यह किसान के लिए आगे नहीं आ रही, जबकि प्राइवेट खरीदार उनकी पीओ धान महज 1700 से 1800 रुपये प्रति किंवर्टल में खरीद रहे हैं। मंडी में पीओ धान की आवक होने लगी है, जिसके 1825 से 1950 रुपये तक मिल रहे हैं, जबकि 1509 धान का रेट 3400 रुपये किंवर्टल तक मिल रहा है। पंजाब हरियाणा की यह स्थिति है तो आने वाले समय में पूरे देश में यह समस्या सामने आयी राम इकड़ 12 हजार के लिए आगे नहीं आ रही है, उसकी जावा कर रहे हैं। अब सरकार फसलों खरीदने के लिए आगे नहीं आ रही, जबकि प्राइवेट खरीदार उनकी पीओ धान महज 1700 से 1800 रुपये प्रति किंवर्टल में खरीद रहे हैं। मंडी में पीओ धान की आवक होने लगी है, जिसके 1825 से 1950 रुपये तक मिल रहे हैं, जबकि 1509 धान का रेट 3400 रुपये किंवर्टल तक मिल रहा है। पंजाब के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

धर्म-प्रवाह
स्वामी सत्यानन्दजी परमहंस
महर्षि विश्विष्ठ ने विश्वविमित्र से कहा तुम्हारे सहित राक्षसराम रावण के सहार करने एवं त्रृष्ण-मर्हित तथा आम जन के उड़ान के लिये किंविताके से अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

हैं। भूयानी भूलोक में अर्जित की हुई सारी संपत्ति रिश्ते नाते इत्यादि, भूव : यानी मन, बुद्धि एवं चित, स्व: यानी अहंकार जब तत् संविता यानी सदाचुरु को समर्पित कर दिया जाता तो इन्द्रिय देवताओं हो चुकी हैं। अब सरकार फसलों खरीदने के लिए आगे नहीं आ रही, जबकि प्राइवेट खरीदार उनकी पीओ धान महज 1700 से 1800 रुपये प्रति किंवर्टल में खरीद रहे हैं। मंडी में पीओ धान की आवक होने लगी है, जिसके 1825 से 1950 रुपये तक मिल रहे हैं, जबकि 1509 धान का रेट 3400 रुपये किंवर्टल तक मिल रहा है। पंजाब

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

प्रसंग का अध्यात्म

इसका सारांश यह है कि साधन के माध्यम से कभी भी मनुष्य चाहे कि जाता हो जाए तो नहीं होगा। विश्वमित्र जी इसके जल्लंत उदाहरण हैं। चाहे नारदजी हो, उद्यव जी हो या चण्डकीर्णक मुनि हो जिन्होंने सोचा कि साधन के द्वारा जान हो जाए तो क्या देवता याज्ञ की विवाह कर दिया है। विश्वमित्र सिद्धांश्रुष्टि के लिए आगे नहीं आ रही, जबकि प्राइवेट खरीदार उनकी पीओ धान महज 1700 से 1800 रुपये प्रति किंवर्टल में खरीद रहे हैं। मंडी में पीओ धान की आवक होने लगी है, जिसके 1825 से 1950 रुपये तक मिल रहे हैं, जबकि 1509 धान का रेट 3400 रुपये किंवर्टल तक मिल रहा है। पंजाब

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

वापस सिद्धांश्रुष्टि (आज का बक्सर शहर) लैट जाइये। ज्योही जनकुपुर में सीता विवाह का नियत कहा तुम्हारे सहित राक्षसराम रावण के सहार करने एवं अमुरों सहित कहा तुम्हारे से अयोध्या के लिए आगे नहीं आ रही, जबकि प्राइवेट खरीदार उनकी पीओ धान महज 1700 से 1800 रुपये प्रति किंवर्टल में खरीद रहे हैं। मंडी में पीओ धान की आवक होने लगी है, जिसके 1825 से 1950 रुपये तक मिल रहे हैं, जबकि 1509 धान का रेट 3400 रुपये किंवर्टल तक मिल रहा है। पंजाब

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

के लिए कार्य करते हैं। अयोध्या में यामवतार होने वाला है। उनकी परायाकी सीता जनकुर में अवरित होने वाली है। आप

क

स्पीड न्यूज़

सदक दुर्घटना में चार घायल

गुमला। सिसई रोड स्थित सतं पार्टिक्र मिरगाहर के समीप स्कूटी सवार ने पैदल जा रही छात्रा की बड़ा मार दिया। घटना में स्कूटी से सवार ने लोग समेत छात्रा भी घायल हो गयी। जिन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल करमडीगा के सुतील विहार (24) पिंपा बालिंगुम विहार, प्रांतीस विहार (19) पिंपा विसुस विहार, अर्चांद उराव पिंपा भौंपेंद उराव और करमडीगा की फैंसी मिंज (15) पिंपा विनय रिप्रियन मिंज शामिल हैं। अर्चांद का एक पैर टूट गया है, जबकि अन्य दोनों युवकों की भी काफी चोट ली।

कश्मीर शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि

गुमला। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकर नगा इलाके में आतंकी हातों में शहीद हुए जवानों को झारखंड क्रिश्युन ग्रूथ एसोसिएशन गुमला जिला कमेटी ने श्रद्धांजलि दी। इससे पूर्व सिसई रोड भृंती तालाब के समीप कमेटी ने रैली निकाली जो विभिन्न मानो हातों हुए टावर चौक पहुंच कर शहीदों के समान में कैंडल जलाया गया। अध्यक्ष हमें तकुमर ने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं हैं। भारत वीरों की भूमि है। अतकवादियों के मंसुखे कभी भी सफल नहीं होंगे। बताते चले कि 13 सिंतरब का देश के वीर सपूत्र कर्तव्य मनीषित सिंह, डीएसी हुएरू थे, भृंत भृंत अपील धोनवक शहीद हो गये थे। कार्यक्रम में अमित एवका, सजीत पना, उपाध्यक्ष रोबेट टोपी, सेत कुमार एवका, बदन दोमनिक मिंज, सुलील राय, राजेश सिंह, एंथोनी लकड़ा, गेरो गोरी तिकी भी थे।

करम पूर्व संध्या कार्यक्रम 24 को



लोहरदगा। जिला आदिवासी कर्मचारी समिति की विशेष बैठक समिति के अध्यक्ष किशर उराव की अध्यक्षता में हुई। सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष करम पूर्व संध्या समारोह कार्यक्रम 24 सिंतरब (रविवार) को हालोहरदगा के साथ न्यू ब्रह्म भवन में मनाया जायेगा। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लालने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीरी डॉ वाघामारे प्रसाद कृष्णा एवं एसपी हारिस बिन जमा होंगे। कार्यक्रम में अधिष्ठेत एवका, सुनील मिंज, सुजीत उराव, सुखदेव उराव, अर्चांद उराव, अनिल उराव, जीतेन्द्र उराव, दिनेश उराव, विक्रम उराव, विनोद उराव, विर्केंद्र उराव, धनंजय भगत, दिनकर टाना भगत, अंजु कुमुर, रेखा कुमारी, नेहा कुमुर, राधा देवी, पुषा कुमुर, मरीप कुमुर लग हैं।

महित शर्मा बने पूजा समिति के अध्यक्ष



भंडरा। पुराना थाना के समीप बन रहे थे सिद्धिदायिनी दुर्गा मंदिर परिसर में गुरुवार को ईश्वरी मोहन शर्मा की अध्यक्षता में मां सिद्धिदायिनी दुर्गा पूजा समिति की बैठक हुई। जिसमें दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर कमेटी का पुरुगंदन किया गया। साथ ही हर्सलाला के साथ दुर्गा पूजा मनाने का लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान संवेदनसमिति से अध्यक्ष ईश्वरी मोहन शर्मा को बुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष धनेश्वर साहू, अनंद साहू, मुकुल अधिकारी, पारस साहू, अनिल साहू, अंजु कुमुर, रेखा कुमारी और अनिल उराव को बुना गया।

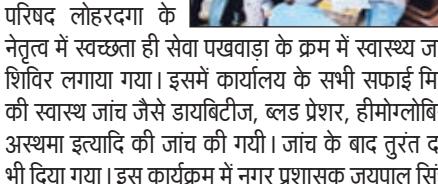
महिला आरक्षण विधेयक पारित होने पर भाजपा महिला मोर्चा ने मनाया जश्न



गुमला। लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक पारित होने पर गुमला भाजपा मोर्चा ने कैंडल की नरेंद्र मोर्ची सरकार का आभार प्रकट किया है। महिला मोर्ची की अध्यक्ष विधेयक बाडा के नेतृत्व में महिला अंग ने जनन मनाकर और एक दूसरे को मिटाई खिलाकर कर बधाई दिया। किरण वाडा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोर्ची ने हमेसा इलाकों के हित में काम किया है। वाह है वह शांतिलय ही उत्तराखण गोंदी की योजना हो गयी थी फिर अब नरी शक्ति बढ़ने के लिए एक दूसरे की दूसरी देवी की सरिता देवी, असरित देवी, परिचा

छात्र ने खायी एक्सपायरी देवी, भर्ती गुमला। थाना क्षेत्र के फरिया पंचायत के पोंडा टोली के अंकित बाडा (19) ने गुरुवार की रात 8 एक्सपायरी टैबलेट खा लिया। जिसके बाद उसकी हालत खारब होने लगी। जनकारी दोस्तों को मिलने के बाद उसे सरद अस्पताल में भर्ती किया। युवक ने बताया कि मैं अपने घर से अलग किराये की मकान में रहता हूं। किसी बात को लेकर बुधवार की रात उसने 8 एक्सपायरी टैबलेट का सेवन कर लिया।

शिविर में सफाई मिश्नों की स्वास्थ्य जांच



लोहरदगा। नगर परिषद के सदर अस्पताल स्थित पुराना नगर परिषद कार्यालय में प्रशासक नगर परिषद लोहरदगा के नेतृत्व में स्वच्छता ही जारी रखना चाहिए। एसपी कार्यालय के सभी सफाई मिश्नों की स्वास्थ्य जांच जैसे डाकांटीज, लॉट प्रेसर, हीमोलोगिन, अस्थाय इत्यादि की जांच की गयी। जांच के बाद उत्तर देवा भी दिया गया। इस कार्यक्रम में नगर प्रशासन उपराव में विटीजन फाउण्डेशन, रांची जी एवका कार्य एजेंसी है, उसे 15 दिनों के

रांची, शुक्रवार

22.09.2023

गुमला-लोहरदगा

प्रकृति की रक्षा से ही समाज की प्रगति की उम्मीद : चमरा लिंडा

■ भंडरा में धूमधाम से मनाया गया करमा पूर्व संध्या कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। प्रखंड के बिटपी मुरली तालाब के समीप स्थित जय सरना लोहरदगा भवन प्रांगण में गुरुवार को करमा पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। इसमें लोहरदगा गुमला जिले के विभिन्न गांवों से अपेक्षय 50 खोड़ा समूह परिषक वेशभूमा में भाग लिये। साथा प्रथमना सभा, 12 पड़हा और आदिवासी छात्र संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वनामुरु विद्यालय के चमरा लिंडा एवं अन्य अतिथियों ने दीप पूर्व मिश्नों की विधियां लिया।



साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

साथा वार्ते : नोक पूर्व मिश्नों की विधियां लिया गया।

युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना हमारा कर्तव्य

श्रीराम माहेश्वरी

वर्तमान समय में युवाओं को अध्यात्म से जोड़ना आवश्यक है। शिक्षा, रोजगार, समाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक क्षेत्र में वे अध्यात्म से जुड़कर प्रगति कर सकते हैं। अध्यात्म का अर्थ है आत्मा का विकास आत्मा से जुड़कर आत्मा को जानना। ध्यान और योग के माध्यम से हम अध्यात्म से जुड़ सकते हैं। इसका निरंतर अभ्यास कर सकते हैं। इस साधना को करते हुए एक साधक का लक्ष्य रहता है-आप साक्षात्कार। साधनारत साधकों के लिए यह पूर्णता है।

प्राचीनकाल से भारतवर्ष में गुरुकुलों में जो शिक्षा दी जाती थी, उसमें अन्य विषयों के साथ-साथ विशिष्ट कलाओं से जुड़ना, सेवा संस्कार, योग और ध्यान जैसे महत्वपूर्ण विषय भी शामिल रहते थे। बाद में यह गुरुकुल बंद होते गए। विकास को भौतिकता से जोड़ दिया गया। शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृत से जुड़े विषयों को धीरे-धीरे अलग कर दिया गया। शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में अनेक विसंगतियों के कारण युवाओं के समक्ष दिशाहीनता की स्थिति पैदा हुई। हम देख रहे हैं कि शिक्षित होने के बाद जब युवाओं को रोजगार या नौकरी नहीं मिलती तो उनमें निराशा होती है। कई बार प्रयास करने के बाद जब उन्हें सफलता नहीं मिलती तो वे अपराध के मार्ग पर चलने लगते हैं या अत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठा लेते हैं। ऐसी कठिन परिस्थिति में उन्हें उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। हमारे युवा अध्यात्म से जुड़े तो उनके सम्प्रसारण का उन्हें समाधान मिल सकता है।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में जनचेतना आई



है। नई शिक्षा नीति आने के बाद शिक्षण संस्थानों का स्वरूप बदल रहा है। युवाओं ने अध्यात्म के क्षेत्र में भी रुचि दिखाई है। अच्छी बात है कि उनका मन अब इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। योग भारत की देन है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग को मान्यता मिली है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 11 दिसंबर 2014 को हर वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस मनाए जाने की घोषणा की। इसके बाद दुनिया में योग का महत्व अधिक व्यापक हुआ। भगवन श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवत् गीता में

अर्जुन को उपदेश देते हुए योग का महत्व प्रतिपादित किया। श्रीकृष्ण योगेश्वर कहे जाते हैं। भगवान शिव आदियोगी हैं। उन्होंने ऋषियों को योग की शिक्षा दी। महर्षि पतंजलि ने योग शास्त्र की रचनाकर जनसाधारण के लिए इसे सुगम और सुलभ बनाया।

वैदिक शिक्षा में आरोग्य, वीरामु होने की भावना, अध्यात्म मार्ग से जुड़ना, ईश्वर आग्रहना, अनासक्ति भावना तथा विश्व कल्याण की भावना रखने पर बल दिया गया है। इसमें

मानव कल्याण के साथ-साथ प्रकृति मिल होने की भावना का भी वर्णन है।

मनु कहते हैं शब्द: स्पर्शश्च रूपश्च रसो गंधश्च चंचाः।

वेदादेव प्रसूते प्रसूति-गुण-कर्मतः॥ मनु स्मृति 12.18

मनु कहते हैं-वेद से ही शब्द, स्पर्श, रूप, रस तथा गंध उपन्य होते हैं। यह पांच तत्व आकाश, वायु, अग्नि, जल तथा पृथ्वी के ही रूप हैं। इन पांच तत्वों से ही सृष्टि बनी है, इसलिए वेद को ब्रह्म कहना उचित है। एतरेय सूर्य के अनुसार चित्त चेतन है। प्राण ऊर्जा है। वाक पदार्थ है। पदार्थ से ऊर्जा सूक्ष्म है। ऊर्जा से चेतन सूक्ष्म है। सूक्ष्म का नियंत्रण स्थूल में रहता है। मंत्र से आह्वान की जाए तो देवता प्रकट हो जाते हैं। इसके लिए कामना, इच्छा, संकल्प और ब्रह्म जरूरी है।

वेद, पुराण और उपनिषद राष्ट्र की अनमोल धरोहर हैं। युवाओं को इनका स्वाध्याय करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में भारतीय संस्कृत से जुड़े विषयों को धीरे-धीरे अलग कर दिया गया। शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में अनेक विसंगतियों के कारण युवाओं के समक्ष दिशाहीनता की स्थिति पैदा हुई।

हम देख रहे हैं कि शिक्षित होने के बाद जब

युवाओं को रोजगार या नौकरी नहीं मिलती तो उनमें निराशा होती है। कई बार प्रयास करने के बाद जब उन्हें सफलता नहीं मिलती तो वे अपराध के मार्ग पर चलने लगते हैं या अत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठा लेते हैं। ऐसी कठिन परिस्थिति में उन्हें उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। हमारे युवा अध्यात्म से जुड़े तो उनके सम्प्रसारण का उन्हें समाधान मिल सकता है।

हालांकि पिछले कुछ वर्षों में जनचेतना आई

लिखें रोजाना तो तनाव होगा छूमंतर

अमोघ अग्रवाल

जब मानसिक स्वास्थ्य की भाव हो तो हमारे दिमाग में कुछ शब्द आते हैं जैसे- अवसाद, मनोविकितस्क, परामर्श व चित्त आदि, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य इससे कहीं अधिक है। हालांकि कोविड बाल के बाद भरत में मानसिक स्वास्थ्य के बारे में गंभीरता से बात होने लगी है, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक से लड़ने के साथ-साथ, हमें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता लानी है। जागरूकता का उत्तरोग्य करने के साथ अपना ख्याल रखने की विश्व में भी गंभीरता से बात होने लगी है, लेकिन अलावा क्या किया जाए, जो हर किसी के लिए सुविधाजनक विकल्प नहीं है। जागरूकता का उत्तरोग्य अपने परिवर्ष के बारे में आरोग्य, वीरामु होने की भावना, अध्यात्म मार्ग से जुड़ना, ईश्वर आग्रहना, अनासक्ति भावना तथा विश्व कल्याण की भावना रखने पर बल दिया गया है। इसमें

हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने में मददगार बन सकता है।

टीएलसी के तहत पौरी आधार, शारीरिक गतिविधि, ध्यान, रूटीन आदि आते हैं। वहाँ जर्नलिंग एक स्व-सहायता उपकरण है जो स्क्रिप्ट योगदान दे सकता है। जर्नलिंग के बाल के बाल रखने और अनपूर्ण लट्टर्ड विचारों-भावनाओं को व्यक्त कर स्वयं-जागरूक होने और खुद के साथ सार्थक बनाने का एक तरीका है। एक मानसिक भावानात्मक और व्यक्तिगत अध्यास है जो हमें अपने अंतरिक संघर्षों और भ्रमों को सुलझाने के साथ-साथ अपने परिवर्ष के बाल के साथ सहेज रहने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अभिव्यक्त जर्नलिंग : यहाँ, हम अपने विचारों और भावनाओं को बिना किसी फिल्टर के, जैसे ही वे आते हैं, लिखते हैं। यह हमें उन विचारों के लिए आधारीक विचारों को दिलाता है। उसके बारे में प्रतिनिधि एक वार जर्नलिंग के रूप में अपनी पंचिका जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड़ता है।

एक शब्द की परिक्रमा : हम अपने दिन का वर्णन केवल एक शब्द से करके प्रत्येक रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ के साथ, हम अपने लिए एक शब्द को अपने विचारों-भावनाओं को दिलाता है। यह अपने विचारों को दिन की किसी महत्वपूर्ण चीज के रूप में अपनी पंचिका में जोड